दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2015

वर्ग गीत

अरूण गगन पर महाप्रगति का, अब फिर मंगल गान उठा।
करवट बदली अंगड़ाई ले, सोया हिन्दुस्थान उठा।।
सौरभ से भर गयी दिशायें, अब धरती मुसकाती है,
कण–कण गाता गीत गगन की, सीमायें दुहराती हैं,
मंगल गान सुनाता सागर, गीत दिशायें गाती हैं,
मुक्त गगन में राष्ट्र पताका, लहर लहर लहराती है,
तरूण रक्त अब लगा खौलने, हृदयों में तूफान उठा।
करवट बदली अंगड़ाई ले, सोया हिन्दुस्थान उठा।। 1 ।।

रामेश्वर का जल अंजलि में, काश्मीर की सुन्दरता,
काम रूप की धूलि द्वारिका, की पावन प्यारी ममता,
बंग देश की भक्ति भावना, महाराष्ट्र की तन्मयता,
शौर्य पंचनद विजयी विश्व में, राजस्थानी प्रबल क्षमता,
केन्द्रित कर निज प्रखर तेज को, फिर भारत बलवान उठा।
करवट बदली अंगड़ाई ले, सोया हिन्दुस्थान उठा ।। 2 ।।

बिन्दु बिन्दु जल मिलकर बनती, प्रलयंकर जल की धारा,
कण–कण भू–रज मिल कर करते, अंधकारमय जग सारा,
कोटि–कोटि हम उठें उठायें, भारतीयता का नारा,
बढ़ें विश्व के बढ़ते कदमों ने फिर हमको ललकारा,
उठे देश के कण–कण से फिर जन–जन को आह्वान उठा।
करवट बदली अंगड़ाई ले, सोया हिन्दुस्थान उठा।।
अरूण गगन पर महाप्रगति का, अब फिर मंगल गान उठा।
करवट बदली अंगड़ाई ले, सोया हिन्दुस्थान उठा।। 3 ।।